University of Lucknow | Centenary Year

लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

100 Years 1920-2020

University in News on 21 April 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

इस बार भी प्रमोट हो सकते हैं छात्र

लखनऊ विश्वविद्यालय ने यूजी-पीजी फर्स्ट सेमेस्टर के छात्रों को प्रमोट करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजने की शुरू की तैयारी, डीन-प्राचार्यों की बैठक में बनी सहमति

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन कोरोना संक्रमण के कारण पैदा हुए हालात को देखते हुए विवि व सहयुक्त कॉलेजों के यूजी-पीजी फर्स्ट सेमेस्टर के विद्यार्थियों को प्रमोट करने का प्रस्ताव शासन को भेजेगा। साथ ही इन विद्यार्थियों को प्रमोट करने का फॉर्मूला भी बताएगा। अगर इस पर मुहर लगी तो इसका फायदा हजारों स्टूडेंट्स को मिलेगा। यह सहमति मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में डीन, हेड व कॉलेज प्राचार्यों के साथ हुई बैठक में बनी। विश्विद्यालय की ओर से 06 अप्रैल से यूजी-पीजी फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा प्रस्तावित थी, किंतु लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के कारण परीक्षा टालनी पड़ी। आगे भी स्थिति स्पष्ट नहीं है, जिसे देखते हुए प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया।

वहीं, कुलपति ने सभी डीन-हेड को शनिवार तक टाइम टेबल तैयार कर अपलोड करने और इनकी ऑनलाइन क्लास नियमित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने राजभवन द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में एनसीसी व एनएसएस के स्वयंसेवकों के माध्यम से टीकाकरण के लिए जागरूकता अभियान चलाने और इसकी प्रतिदिन की रिपोर्ट रजिस्ट्रार कार्यालय में भेजने का भी निर्देश दिया। कुलपति प्रो. राय ने बताया कि 06 अप्रैल से यूजी-पीजी फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा प्रस्तावित थी। इनके पेपर भी बन गए और सेंटर भी जारी कर दिए गए थे, किंतु संक्रमण बढ़ने के कारण परीक्षा टालनी पड़ी।

विवि-कॉलेज के हजारों छात्रो को मिलेगा लाभ यूजी-पीजी सेकेंड सेमेस्टर की ऑनलाइन क्लास नियमित करने का निर्देश

कॉलेज करें नियमित ऑनलाइन क्लास, डेटा रखें सुरक्षित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयुक्त कॉलेजों में ऑनलाइन क्लास नियमित न होने पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने नाराजगी जाहिर की है। मंगलवार को हुई डीन, हेड व कॉलेज प्राचार्यों संग बैठक में कुलपति ने ऑनलाइन क्लास नियमित करने के निर्देश दिए। बता दें कि अमर उजाला ने रविवार के अंक में 'शिक्षकों के संक्रमित होने से प्रभावित हो रही ऑनलाइन क्लास शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी, जिसमें कॉलेजों में ऑनलाइन क्लास प्रभावित होने का मामला उठाया गया था। (माई सिटी रिपोर्टर)

शिक्षकों के संक्रमित होने से ऑनलाइन क्लास पर मंडराया संकट

अमर उजाला के 18 अप्रैल के अंक में प्रकाशित खबर, जिस पर बैठक में जारी हुए दिशा-निर्देश।

HINDUSTAN PAGE 9

एलयू छात्रों को प्रमोट करने की शासन से अनुमति लेगा

बैठक

लखनऊ | निज संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि विवि स्नातक और परास्नातक के प्रथम सेमेस्टर के छात्रों को प्रमोट करने की अनुमति मांगेगा। बैठक में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मौजूदा विश्वविद्यालय के समस्त छात्रों के हित में निर्णय लिया गया कि स्नातक तृतीय और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं सम्पन्न हो चुकी हैं। अन्य कक्षाएं ऑनलाइन संचालित हो रही हैं।

स्नातक और परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं कोरोना की दूसरी वेव के पहले सूचीबद्ध थीं। इन सेमेस्टरों के सिलेबस और इंटरनल असेस्मेंट सम्पूर्ण किए जा चुके थे। इस क्रम में सभी स्नातक और परसस्नातक के छात्रों के दूसरे सेमेस्टर की कक्षाएं तुरंत शुरू कर दी जाएंगी।

सभी विभागाध्यक्षों और महाविद्यालय के अध्यक्षों को टाइम-टेबल तैयार कर वेबसाइट पर अपलोड करने का आदेश दे दिया गया है। सभी विभागों के टाइम टेबल की एक कॉपी डीन, एकेडमिक्स के पास रहेगी।

उत्तर प्रदेश शासन को एलयू की तरफ से स्नातक और परास्नातक के प्रथम सेमेस्टर के छात्रों को प्रमोट करने की अनुमति मांगी जाएगी। इसके अलावा 5 सदस्यीय समिति का गठन किया जा रहा है, जिसमें दो महाविद्यालयों के अध्यक्ष सहित विश्वविद्यालय के दो विभागाध्यक्ष शामिल होंगे। यह समिति इस नए पाठ्यक्रम के बिन्दुओं का अध्ययन करेगी।

FIRST INDIA PAGE 3

LU postpones first sem exams

—FILE PHOTO

First India Bureau

Lucknow: Lucknow University V-C Alok Kumar Rai chaired a meeting to assess the current situation of increased covid infection rate in which all the deans of the university, principals and deans of affiliated colleges took part.

In the meeting it was decided that while 1st semester exam for undergraduate and PG courses will be postponed and since all the syllabus and internal assessments of these semesters have been completed, the second semester classes of both UG and PG are to commence immediately via online class.

It was also decided that the University will seek the permission of the government to promote the students of the first semester.

The NSS Chapter and NCC Battalion of the varsity will send the data to the administration regarding various vaccination drives organised by the state government on everyday basis.

In line with instruction of the government regarding the Common Minimum Curriculum in UG-subjects, a 5-member committee is being constituted under the chairmanship of Dean, Academics which will study the new syllabus and present view in the next meeting.

i-NEXT PAGE 4

एलयू में यूजी और पीजी के स्टूडेंट्स होंगे प्रमोट

LUCKNOW (20 April): लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में सभी विभागाध्यक्षों, संकायाध्यक्षों सहित सम्बद्ध महाविद्यालयों के अध्यक्ष और डीन की मंगलवार को बैठक हुई. बैठक में कोविड संक्रमण के मौजूदा खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के यूजी एवं पीजी के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रमोट करने के सरकार से अनुमति लेने पर सहमति बनी.

क्लासेज ऑनलाइन चल रहीं

कुलपति ने कहा कि विवि में स्नातक तृतीय और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं और उनकी कक्षाएं ऑनलाइन चल रही हैं. वहीं स्नातक और परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं कोविड 19 की दूसरी लहर के कारण स्थगित कर दी गईं थीं. इन सेमेस्टरों के सिलेबस व इंटर्नल असेसमेंट का काम पूरा किया जा चुका है. इस क्रम में सभी स्नातक और परास्नातक के छात्रों के द्वितीय सेमेस्टर की कक्षाएं तत्काल शुरू होंगी.

टाइम टेबल होगा अपलोड

इसके लिए सभी विभागाध्यक्षों व महाविद्यालय को टाइम-टेबल तैयार कर अपने अपनी वेबसाइट पर अपलोड करने के आदेश जारी किए गए हैं. सभी विभागों के टाइम टेबल की एक कापी डीन, एकेडमिक के पास उपलब्ध रहेगी और सभी महाविद्यालयों के टाइम टेबल डीन, कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल के पास उपलब्ध रहेंगी. स्नातक विषयों में नए कॉमन मिनिमम पाठ्यक्रम के संदर्भ में शासन से आए निर्देशों के तहत डीन, अकादमिक की अध्यक्षता में एक पांच सदस्यीय समिति का गठन होगा.

PIONEER PAGE 3

एलयू में यूजी व पीजी प्रथम सेमेस्टर के स्टूडेंट्स होंगे प्रमोट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक व परास्नातक स्तर पर प्रथम सेमेस्टर के छात्रों को प्रमोट करने का निर्णय लिया है। इस बावत विश्वविद्यालय की तरफ से प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाएगा। प्रस्ताव पर अनुमोदन के बाद छात्रों को प्रमोट कर दिया जाएगा। इस बाबत मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई सभी संकाय अध्यक्षों व विभागाध्यक्ष की बैठक में निर्णय लिया गया है।

विवि के कुलपति प्रो आलोक राय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि स्नातक तीसरे और पांचवे सेमेस्टर की परीक्षाएँ सम्पन्न हो चुकी हैं और उनकी कक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से सुचारु रूप से संचालित हो रही हैं। स्नातक और परास्नातक पहले सेमेस्टर की परीक्षाएँ कोविड.19 के दूसरे वेव के आगमन के पहले ही सूचीबद्ध थी लेकिन इस

नए संक्रमण के खतरे की दृष्टि में परीक्षाएँ स्थगित की गयी थीं। इन सेमेस्टरों के सिलैबस व इंटरनल असेस्मेंट सम्पूर्ण किए जा चुके थे। इस क्रम में सभी स्नातक और परसस्नातक के छात्रों की सेकेंड सेमेस्टर कक्षाएँ तुरंत शुरू कर दिये जाएंगे। सभी विभागाध्यक्षों व महाविद्यालय के अध्यक्षों को टाइम टेबल तैयार कर अपने अपने वैबसाइट पर अपलोड करने के आदेश दे दिये गए है। सभी विभागों के टाइम टेबल की एक कॉपी डीन, एकेडेमिक्स के पास उपलब्ध रहेंगी और सभी महाविद्यालयों के टाइम टेबल डीन, कॉलेज डेव्लपमेंट काउंसिल के पास उपलब्ध रहेंगी। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के आदेशानुसार विश्वविद्यालय के एनएसएस चैप्टर और एनसीसी बटैलियन द्वारा रोज़ उत्तर प्रदेश सरकार के वैक्सीनेशन ड्राइव में आयोजित अवरेनेस्स कैम्पेन आदि के विषय में प्रशाशन को जानकारी प्रदान की जाती है। इसमे यह जानकारी भी शामिल है कि विश्वविद्यालय परिवार में से कितनों को वैक्सीन लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसी क्रम में यह निर्णय लिया गया की महाविद्यालयों की भी एक रिपोर्ट कुलसचिव, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा द्वारा जारी एक व्हाट्सएप नंबर पर मँगवाई जाएगी और सभी महाविद्यालयों की वैक्सीनेशन ड्राइव को सफल बनाने की तरफ उठाए गए कदमों की एक रिपोर्ट हर दिन प्रशासन को भेजी जाएगी। स्नातक विषयों में नए कॉमन मिनिमम पाठ्यक्रम के संदर्भ में शासन की तरफ से आए निर्देशों को ध्यान में रखते हुए डीन एकेडमिक की अध्यक्षता में एक 5 सदस्यीय समिति का गठन किये जाने का निर्णय लिया गया।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

स्नातक-परास्नातक प्रथम सेमेस्टर के छात्रों को प्रोमोट करने की अनुमति मांगेगा लविवि

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि स्नातक और परास्नातक के प्रथम सेमेस्टर के छात्रों को प्रोमोट करने की अनुमति मांगेगा।

बैठक में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मौजूदा खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के समस्त छात्रों के हित में निर्णय लिया गया है कि स्नातक तृतीय और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएँ सम्पन्न हो चुकी है, और उनकी कक्षाएँ ऑनलाइन माध्यम से सुचारू रूप से संचालित हो रही है। स्नातक और परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएँ कोरोना के दूसरे वेव के पहले ही सूचीबद्ध थी, लेकिन इस नए संक्रमण के खतरे की दृष्टि में परीक्षाएँ स्थगित की गयी थी। इन सेमेस्टरों के सिलैबस व इंटरनल असेस्मेंट सम्पूर्ण किए जा चुके थे।

इसी क्रम में सभी स्नातक और परास्नातक के छात्रों के दूसरे सेमेस्टर की कक्षाएँ तुरंत शुरू कर दिये जाएंगे। सभी विभागाध्यक्षों व महाविद्यालय के अध्यक्षों को टाइम-टेबल तैयार कर अपने अपने वैबसाइट पर अपलोड करने के आदेश दे दिया गया है। सभी विभागों के टाइम टेबल की एक कॉपी डीन, एकेडमिक के पास उपलब्ध रहेगी और सभी महाविद्यालयों के टाइम टेबल डीन, कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल के पास उपलब्ध रहेंगी।

उत्तर प्रदेश शासन को विश्वविद्यालय की तरफ से स्नातक और परास्नातक के प्रथम सेमेस्टर के छात्रों को प्रोमोट करने की अनमति मांगी जाएगी। इसके अलावा डीन एकेडमिक्स की अध्यक्षता में एक 5 सदस्यीय समिति का गठन किया जा रहा है, जिसमे दो महाविद्यालयों के अध्यक्ष सहित विश्वविद्यालय के दो विभागाध्यक्ष शामिल होंगे। यह समिति इस नए पाठ्यक्रम के बिन्दुओं का अध्ययन करेगी और उनके विषय में अपनी टिप्पणियां एक प्रस्ताव के रूप में अगली बैठक में प्रस्तुत करेंगी।

नए पाठ्यक्रम के बिन्दुओं का अध्ययन करेगी 5 सदस्यीय समिति

AMRIT VICHAR PAGE 3

बैठक | लखनऊ विश्वविद्यालय शासन से मांगेगा अनुमति, कुलपति ने की सभी विभागाध्यक्षों के साथ चर्चा

स्नातक व परास्नातक छात्र सीधे हो सकते हैं प्रमोट

अमृत विचार लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने सभी विभागाध्यक्षों और संकायाध्यक्षों के साथ बैठक कर कई अहम निर्णय लिये हैं। इस बैठक में संबद्ध महाविद्यालयों के अध्यक्ष व डीन भी शामिल हुए। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सबसे अहम निर्णय यह लिया गया कि स्नातक व परास्नातक प्रथम सेमेस्टर में छात्रों को सीधे प्रमोट करने की अनुमति शासन से ली जायेगी। साथ ही जिन सेमेस्टर की परीक्षाएं पहले हो चुकी हैं और उनकी कक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से हो रही हैं उसमें पढ़ाई जल्द शुरू की जायेगी।

इस संबंध में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि स्नातक तृतीय और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं सम्पन्न हो चुकी हैं, और उनकी कक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से सुचारु रूप से संचालित हो रही हैं। वहीं स्नातक और परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएँ कोविड -19 की दूसरी लहर के आगमन के पहले ही सूचीबद्ध थीं, लेकिन इस नए संक्रमण के खतरे की दृष्टि में परीक्षाएं स्थगित की गयी थीं। इन सेमेस्टरों के सिलैबस व इंटरनल असेसमेंट सम्पूर्ण किए जा चुके थे। इस क्रम में सभी स्नातक और परस्नातक के छात्रों के दूसरे सेमेस्टर की कक्षाएं तुरंत शुरू कर दी जाएंगे। सभी विभागाध्यक्षों व महाविद्यालय के अध्यक्षों को टाइम-टेबल तैयार कर अपनी वेबसाइट पर अपलोड करने के आदेश दे दिये गये है। सभी विभागों के टाइम टेबल की एक कॉपी डीन, अकादेमिक्स के पास उपलब्ध रहेगी और सभी महाविद्यालयों के टाइम टेबल डीन, कॉलेज डेव्लपमेंट काउंसिल के पास उपलब्ध रहेंगी।

प्रशासन को भेजी जाएगी महाविद्यालयों की रिपोर्ट

बैठक में तय हुआ कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के आदेशानुसार विश्वविद्यालय के एनएसएस चैप्टर और एनसीसी बटैलियन द्वारा रोज़ उत्तर प्रदेश सरकार के वैक्सीनेशन ड्राइव में आयोजित अवरेनेस्स कैम्पेन आदि के विषय में प्रशासन को जानकारी प्रदान की जाती है। इसमे यह जानकारी भी शामिल है कि विश्वविद्यालय परिवार में से कितनों को वैक्सीन लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसी क्रम में यह निर्णय लिया गया की महाविद्यालयों की भी एक रिपोर्ट कुलसचिव, लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से एक व्हाट्सएप्प नंबर पर मंगवाई जाएगी और सभी महाविद्यालयों की वैक्सीनेशन ड्राइव को सफल बनाने की तरफ उठाए गए कदमों की एक रिपोर्ट हर दिन प्रशासन को भेजी जाएगी।

स्नातक विषयों के नये पाठ्यक्रम के लिए गठित होगी समिति

बैठक में यह भी तय हुआ कि स्नातक विषयों में नए कॉमन मिनिमम पाठ्यक्रम के संदर्भ में शासन की तरफ से आए निर्देशों को ध्यान में रखते हुए डीन, अकादेमिक्स की अध्यक्षता में एक 5 सदस्यीय समिति का गठन किया जा रहा है, जिसमे दो महाविद्यालयों के अध्यक्ष सहित विश्वविद्यालय के दो विभागाध्यक्ष शामिल होंगे। यह समिति इस नए पाठ्यक्रम के बिन्दुओं का अध्ययन करेगी और उनके विषय में अपनी टिप्पणियाँ एक प्रस्ताव के रूप में अगली बैठक में प्रस्तुत करेंगी। इसके अलावा डीन, अकादेमिक्स को विश्वविद्यालय में और डीन, सीडीसी को महाविद्यालयों में साप्ताहिक रूप से विभिन्न पाठ्यक्रमों के सिलैबस की प्रगति को मॉनिटर करने का व सुचारु रूप से ऑनलाइन पढ़ाई होने के लिए आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने का दायित्व भी दिया गया है।